समाचारपत्र

अथवा

अखबार

संसार का हालचाल जानने का सबसे अच्छा साधन समाचारपत्र है। अंग्रेजी में इसे न्यूजपेपर और उर्दू में अखबार कहते हैं। सवेरा होते ही अखबार बेचने वाले साइकिलों पर इधर-उधर घूमते दिखाई देते हैं। हमारे घर भी एक समाचारपत्र-बिक्रेता सवेरे ही हिन्दुस्तान टाइम्स (अंग्रेजी)

और नवभारत टाइम्स (हिन्दी) ये दो समाचारपत्र दे जाता है।

समाचारपत्रों में देश-विदेश के गाँवों और नगरों के समाचार छपते हैं। जगह-जगह होने वाली घटनाओं और दुर्घटनाओं का हाल लिखा होता है। जनता की बात सरकार को और सरकार की बात जनता को समझाने का यह साधन है।

समाचारपत्र क्या है? यह छपा हुआ कागज ही तो है। लेकिन इसे छापने में बहुत से लोग काम करते हैं। संवाददाता खबरें भेजते हैं। सम्पादक लेख लिखते हैं । लैजर आपरेटर कंपोज करते हैं । प्रूफ पढ़ने वाले प्रूफ पढ़कर गल्तियाँ ठीक करते हैं। मशीनमैन छापने की मशीन चलाते हैं। हॉकर अखबार बेचते हैं।

समाचारपत्रों से घर बैठे ही हम सारे संसार की खंवरें पढ़ते हैं। समाज और देश के टेढ़े सवाल हमारे सामने आते हैं। जनता के विचारों का पता चलता है। समाचारपत्रों द्वारा समाज की बुराइयाँ भी दूर की जा सकती हैं। समाज में सुधार किया जा सकता है। देश के एक कोने की खबर दूसरे कोने में भेजी जा सकती है।

समाचारपत्रों में बाजार-भाव लिखे रहते हैं। उत्सव, त्यौहार सिनेमा, सभा, मैच आदि की सूचनाएँ होती हैं। देशी-विदेशी चीजों के विज्ञापन, (इश्तिहार) रहते हैं।

आज के युग में अखबार पढ़ना उतना ही जरूरी है, जितना कि भोजना करना।